तीन महीनों में पकड़ी 34 हजार किलोवॉट बिजली की चोरी

नई दिल्लीः 8 अप्रैल, 2011। पिछले तीन महीनों के दौरान बीआरपीएल ने बिजली चोरों के खिलाफ व्यापक पैमाने पर छापेमारी करते हुए 34, 000 किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी है। दक्षिणी और पश्चिमी दिल्ली में 180 मास–रेड्स के दौरान बिजली चोरी के 4850 मामले पकड़े गए। छापेमारी को सफल बनाने के लिए चौबीसों घंटे और सातों दिन छापेमारी की गई। खास बात यह रही कि देर रात और अल सुबह भी छापेमारी को अंजाम दिया गया।

पश्चिमी दिल्ली में करीब 22, 000 किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी गई, जबकि करीब 12, 700 किलोवॉट की चोरी दक्षिणी दिल्ली में पकड़ में आई है। अगर, इस साल जनवरी से अब तक की बात करें, तो पश्चिमी दिल्ली में बिजली चोरी के करीब 3477 मामले और दक्षिणी दिल्ली में 1363 मामले पकड़े गए हैं।

पश्चिमी दिल्लीः इस इलाके में तीन महीनों के दौरान पकड़े गए 22,000 किलोवॉट की बिजली चोरी में से 19,000 किलोवॉट की चोरी मीटर से छेड़छाड़ कर की जा रही थी, जबकि 2260 किलोवॉट की बिजली के तारों पर चोरी कटिया डालकर की जा रही थी।

विकासपुरी इलाके में 3843 किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी गई। इसमें, मीटर से छेड़छाड़ कर 2845 किलोवॉट की बिजली चोरी की जा रही थी, जबकि 638 किलोवॉट की चोरी कटिया डालकर की जा रही थी। इसके बाद नंबर टैगोर गार्डन का आता है, जहां 2784 किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी गई। इसमें, मीटर से छेड़छाड़ कर की जा रही 2618 किलोवॉट और कटिया के सहारे की जा रही 166 किलोवॉट की चोरी शामिल थी। जनकपुरी भी पीछे नहीं है। यहां 2784 किलोवॉट की चोरी पकड़ी गई है। इसमें मीटर से छेड़छाड़ कर 2412 किलोवॉट बिजली की चोरी की जा रही थी, जबकि कटिया के सहारे 198 किलोवॉट की चोरी हो रही थी।

नांगलोई डिविजन सबसे आगे रहा, जहां बिजली चोरी के 1061 मामले पकड़े गए। जनकपुरी में 564 और मुंडका में 415 मामले पकड़ में आए।

डिविजन	पकड़ी गई बिजली चोरी (KW)	पकड़ में आए मामले
विकासपुरी	3483	1061
टैगोर गार्डन	2784	564
जनकपुरी	2610	415
पालम	2509	582
पंजाबी बाग	2185	508

डिविजन	पकड़ी गई बिजली चोरी (KW)	पकड़ में आए मामले
नांगलोई	2059	436
नजफगढ़	1707	354
द्वारका	1558	510
मुंडका	1555	433
जफ्फारपुर	803	322

दक्षिणी दिल्लीः दक्षिणी दिल्ली में पकड़ी गई कुल 12,700 किलोवॉट की बिजली चोरी में मीटर से छेड़छाड़ कर की जा रही 10, 600 किलोवॉट और कटिया के सहारे की जा रही 2100 किलोवॉट की चोरी शामिल है।
सरिता विहार डिविजन बिजली चोरी के मामले में टॉप पर रहा। यहां 3402 किलोवॉट की चोरी पकड़ी गई। इसमें 3087 किलोवॉट की चोरी मीटर से छेड़छाड़ कर की जा रही थी, जबकि 316 किलोवॉट की चोरी कटिया के सहारे की जा रही थी। अलकनंदा में 1766 किलोवॉट की चोरी पकड़ी गई, जिसमें 1487 किलोवॉट की बिजली चोरी मीटर से छेड़छाड़ की की जा रही थी और 280 मामले कटिया के सहारे बिजली चोरी के थे। वसंत कुंज भी बिजली चोरी के मामले में पीछे नहीं है। वहां 1399 किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी गई, जिसमें मीटर के साथ छेड़छाड़ कर की जा रही 1061 किलोवॉट और कटिया डालकर की जा रही 279 किलोवॉट की बिजली चोरी शामिल है।

निजामुद्दीन डिविजन में सर्वाधिक 195 मामले पकड़े गए। उसके बाद सरिता विहार में 190 और अलकनंदा में 181 मामले पकड़ में आए।

डिविजन	पकड़ी गई बिजली चोरी (KW)	पकड़ में आए मामले
सरिता विहार	3402	190
अलकनंदा	1766	181
वसंत कुंज	1339	157
निजामुद्दीन	1200	195
साकेत	1164	180

डिविजन	पकड़ी गई बिजली चोरी (KW)	पकड़ में आए मामले
हौजखास	1161	92
नेहरू प्लेस	992	80
खानपुर	818	178
आरके पुरम	799	110

छापेमारी अभियान को सफल बनाने के लिए चौबीसों घंटे और सातों दिन छापेमारी की गई। खास बात यह रही कि देर रात और अल सुबह भी छापेमारी को अंजाम दिया गया। ताकि छापेमारी में अधिक से अधिक सफलता मिले, इसके लिए अत्याधुनिक जांच और विश्लेषण की तकनीक का सहारा लिया गया। बीआरपीएल के सभी 6000 बड़े वितरण ट्रांसफॉर्मरों से एनर्जी इनपुट डेटा इकट्ठा कर उसकी गहन पड़ताल की गई और फिर इलाकों को चिह्नित किया गया।

बीआरपीएल के प्रवक्ता के मुताबिक, जुलाई 2002 से लेकर अब तक बीएसईएस बिजली कंपनियों ने बिजली चोरी के 1.71 लाख मामले पकड़े हैं। बीआरपीएल इलाकों में 1.05 लाख मामले पकड़े गए जबकि बीवाईपीएल इलाकों में 63, 000 मामले पकड़े गए हैं। अगर कुल बिजली चोरी की बात करें, तो पिछले करीब 9 सालों में बीएसईएस ने 1100 मेगावॉट बिजली की चोरी पकड़ी है, जो 1981 में दिल्ली की पीक डिमांग 583 मेगावॉट से दुगुनी है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने मूल्यवान उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

समय बचाएं, ईंधन बचाएं, पैसे बचाएं – **www.bsesdelhi.com** पर लॉगऑन करें

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 3999415 / 9350130304